जिंदगी ही नशा है।

"जैसे भी हो जीवन,
उसे नशा की तरह आस्वादन करें।"

हमारा समाज बहुत विकसित हो गया है। नए-नए टेक्नोलॉजि आई है। सभी लोगों को ज्ञान मिला है। बहुत सारे लोगों को अच्छी नौकरी है। पर इन सब के साथ आगे आया हुआ अवगुणों में से एक है नशा की उपयोग की बढ़ाई। आज बच्चों से बड़े लोग तक नशे के पीछे है।

नशा हमारा घातक है। पर यह बात यह उपयोग करने वा करनेवाले लोग सोच भी नहीं लेते है। आज समाज में कोकैन, तंबाक, निकोटिन, एम.डि.एम.ए, गांजा, से शुरू होकर मिठाइयों के रूप में भी नशीली चीजे मिलते है। इन सब चिजों, लोगों एक बार उपयोग किया तो फिर इसमें वह लत हो जाता है। आज-कल नशा ही नहीं शराब के भी बहुत अधिक प्रयोग हो रही है।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

Item Code: 948 Participant Code: 102

* क्यों ~~इ~~ लोग नशे की उपयोग करता है ?

नशीली चीजों की उपयोग लोगों को टोपामैन या हॉपिनेस हॉमोन की उत्पादन बढ़ाता है। यह बढ़ने से वे हर नरह ही उदास और निराशा वाली बातें भूल जाता है और एक 'फान्टसिकल दुनिया' में जीने वाली अनुभूती होती है।

* क्या होता है नशे की उपयोग करते समय ?

नशे की उपयोग से वह हर तरह की दुःख भूल जाता है। शरीर पर अधिक टोपामैन की उपयोग की वजह से, कुछ भी करो, पर उन्हें किसी तरह के भी दर्द नहीं होते है।

* कैसे नशा एक लत बन जाता है ?

एक और दो बार के उपयोग से नशा लत नहीं बनता। वह सिर्फ उसे उपयोग करने वाले को आनंद देता है। इससे नशे उपयोग ~~करने वाल~~ करने वाले के मन में एक सोच आता है कि

"इसके उपयोग से कुछ भी नहीं होता।" । यही सोच उन्हें फिर से नशे की उपयोग करने की प्रेरणा देती। वैसे फिरसे भी नशे की उपयोग करके वह उसे नशे की लत हो जाता है।

नशे से ही लत, जब अपनी ऊँची तल में पहुँचे तो वह हमारे हाथ में नहीं रुकते है। पहले छोटी नशीली चीज़े उपयोग करने वाले लोग फिर 'सिरिंज' और 'मैजिक मशरूम' का उपयोग करते है। ये चीज़े उन्हें एक अलग दुनिया में पहुँचाता है। पर कुछ दिनों के बाद इन चीज़ों की उपयोग उन्हें से होनेवाली स्वर्गीय अनुभूति कम पड़ने लगेगी। तब वे साँप से अपने नाक में नशा लेलेंगी। इससे हमें व्यक्त है कि नशा उपयोग की ऊँची तल में तो साँप की विष भी इन लोगों पर असर नहीं लगेगा।

* नशे से होने वाला दोष

नशे से हमें थोडा सा ही गुणों है पर इससे भी ज्यादा अवगुणों ही है।

⇒ नशा, शराब आदि चीज़ों की उपयोग से लिवर सिरोसिस', 'क्यानसर', 'विषाद रोग' आदि आता है।

⇒ नशा से हमारा स्वबोध नष्ट होता है और एक फान्टसिकल दुनिया में जीने वाला अनुभूती होता है।

⇒ ये उपयोग करने से अपनी माँ, बहन आदि को भी पहचान नहीं करना और उन्हें पीडित या बलात्संग करके उसके ज़िन्दगी बेकार करना है।

⇒ नशे के उपयोग से किसी केस भरा तो उसके आगे की नौकरी या विदेश में पढ़ाई सभी बंद होता है।

⇒ मानव की जीवन यडना ही ~~बंद~~ हे गडक में होता है और नए - नए बिमारियाँ भी आता है।

⇒ आज की बच्चें और नौजवानें ही ~~अपने~~ भविष्य है। यही लोग अपनी ज़िंदगी खराब किया तो आगे आने वाले भविष्य भी खराब पडेगी और

वास्तव में पूरा का पूरा दुनिया भी खराब होगा।

* समकालीन संभव

कुछ दिनों के पहले हम ने देखा था कि एक नौजवान व्यक्ति नशे का उपयोग करकर सड़क पर ~~खड़~~ खड़े हुए थे। जब एक बस आया तो वह एक फुटबॉल समझकर उसे मारा और उसे ~~छोड़~~ छोट लगकर सड़क पर गिर गया। एक आम आदमी होते तो वह दर्द से उठ भी नहीं पाता। पर वह आदमी तो फटाफट ही उसे सड़क में उठकर उठा और लोगों को परेशानी देते हुए बस पर घुसकर उसमें लेट रहा था।

* कैसे रोके हम ये नशा नामक घातक को?

नौजवानें और बच्चें आजकल कई कारणों की वजह से विवाद रोग में फसा है। आज सभी लोग अपने-अपने कामों के पीछे है, तो ~~की~~

Item Code: 948 Participant Code: 102

किसी का भी बातें सुनने की वक्त नहीं है। पर हमें समझना चाहिए की हमारे एक दिन के सिर्फ आधा घंटे से भी, एक जीवन बच सकता है, तो :-

* माता-पिता या दोस्तों अपने बच्चों की या दोस्त की बातें सुनने केलिए और उनसे बात करने केलिए वक्त बनाना चाहिए। - इससे हम विषाद के कारण नशा उपयोग करने वालों को रोक सकते है।

आज-कल छोटे बच्चें अपने माता-पिता से बिना बताए दुकान से चीजें ले और अन्य लोगों से चीजें खरीदता है।

* हर माता-पिता अपने बच्चों का एक अच्छी दोस्त बनना चाहिए और उन्हें सभी बातें कहकर समझाना चाहिए। - उन्हें समझाना चाहिए की जिंदेगी ही नशा है।

* नशे की उत्पन्न और बेचने में कानूनी कार्यवाहियाँ चाहिए और उन्हें सभी प्रार्थिक भी करना चाहिए।

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

**

* नशे बेचने वालों को कठिन शिक्षा देना चाहिए।
* पार्टियों और वैसे सेलिब्रेशनों में नशे का उपयोग बंद करना चाहिए।

-इन सभी करने से हम नशा का उपयोग और अविष्य बेकार होना कई अधिक तक रोक सकते हैं।

जिंदगी एक ही है। इसे हम अच्छी तरह जीना चाहिए।

"हमें पहले अपने आप को ही प्यार करना चाहिए।"

इस जिंदगी में हम अपने आप को प्यार करना चाहिए। हमें जिंदगी के हर कोने में खुशी ढूँढना है और फैलाना भी है। क खुश होने के लिए कुछ न कुछ तो हमें मिलेगा, जैसे कि एक हरी-भरी छोटे घास, या नीली आसमान और उड़ती पंछियाँ, खूबसूरत फूलों, बारिश की नन्ही-नन्ही बूँदें और क गली मिट्टी में खेलने वाली बीरबहूटियाँ, आदि। कि इतनी खूबसूरती भरी

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 948 Participant Code: 102

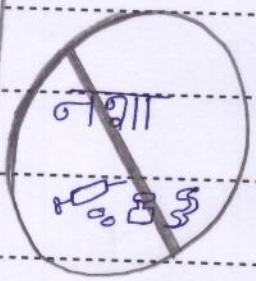

धरती में जीना सो हमारा भाग्य है । हर छोटे चीजों में पर ही खुशी ढूँढकर उसे आस्वादन किया करते हुए जीना ही है जिंदगी, यानी

" जिंदगी ही नशा है "

“ नहीं चाहिए हमें नशा,
चाहिए हमें एक अच्छी जिंदगी ”

——————————